PlanetRead
Literacy for a Billion

Movie: Baseraa (1981)
Year: 1981

Song: Jahan Pe Savera Hai
Lyricist: Gulzar

कभी पास बैठो
किसी फूल के पास
सुनो जब महकता है
बहुत कुछ ये कहता है

ओ ...
कभी गुनगुनाके
कभी मुस्कुराके
कभी गुनगुनाके
कभी मुस्कुराके
कभी चुपके चुपके
कभी खिलखिलाके
जहाँ पे सवेरा हो
बसेरा वहीं है

जहाँ पे सवेरा हो
बसेरा वहीं है
जहाँ पे सवेरा हो
बसेरा वहीं है

हो ...
कभी छोटे छोटे
शबनम के क़तरे
कभी छोटे छोटे
शबनम के क़तरे
देखे तो होंगे
सुबह सेवेरे

ये नन्हीं सी आँखें
जागी हैं शब भर
बहुत कुछ है दिल में
बस इतना है लब पर
जहाँ पे सवेरा हो
बसेरा वहीं है
जहाँ पे सवेरा हो
बसेरा वहीं है

ना मिट्टी ना गारा
ना सोना सजाना
ना मिट्टी ना गारा
ना सोना सजाना
जहाँ प्यार देखो
वहीं घर बनाना
ये दिल की इमारत
बनती है दिल से
दिल आँसू को छूके
उम्मीदों से मिलके

जहाँ पे सवेरा हो
जहाँ पे बसेरा हो
सवेरा वहीं है
जहाँ पे बसेरा हो
सवेरा वहीं है
जहाँ पे बसेरा हो
सवेरा वहीं है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.
PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.